NEWS CLIPPING: 31.07.2021

THE TRIBUNE

VARSITY SIGNS MOU WITH BOSCH

Faridabad: To provide practical training to engineering students on automation technology, JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, has signed a MoU with Bosch Limited, a German-based multinational Engineering and Technology Company, to set up a training centre for competency in emerging automation technologies on the university campus. The centre will conduct a joint certification programme for students and industry persons to impart training in the field of automotive technology. The centre will be equipped with the latest Bosch equipment for vehicle diagnostics and testing. Registrar Dr SK Garg signed the MoU on behalf of the university. Vice-Chancellor Prof Dinesh Kumar said the university had always endeavoured to bridge the gap between industry and academia to improve employability and self-competence of students.

The Tribune Sat, 31 July 2021
https://epaper.tribune

NEWS CLIPPING: 31.07.2021

PUNJAB KESARI

जर्मन कंपनी बॉश जेसी बोस विश्वविद्यालय में स्थापित करेगी प्रशिक्षण केंद्र

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार बॉश लिमिटेड के प्रतिनिधि के साथ समझौता हस्तांतरित करते हुए कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग।

फरीदाबाद, 30 जुलाई (पूजा शर्मा): ऑटोमेशन प्रौद्योगिकी पर इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने जर्मन कंपनी बॉश लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में उभरती ऑटोमेशन तकनीक पर आधारित एक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित होने वाले प्रशिक्षण केंद्र को लेकर विश्वविद्यालय ने कंपनी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये। यह केंद्र ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विद्यार्थियों और उद्योग से जुड़े लोगों के लिए सर्टिफिकेशन प्रोग्राम आयोजित करेगा। बॉश द्वारा केंद्र में वाहनों की जांच एवं परीक्षण से संबंधित नवीनतम उपकरण उपलब्ध करवाये जायेंगे। विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में समझौता पर हस्ताक्षर किए। वरिष्ठ महाप्रबंधक (तकनीकी सेवा और सहायता) टीएस आनंदकुमार ने बॉश लिमिटेड से समझौता पर हस्ताक्षर किए।इस अवसर पर मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजकुमार, निदेशक इंडस्ट्री रिलेशन्स डॉ रश्मि पोपली, डॉ निखिल देव और बॉश के क्षेत्रीय प्रशिक्षक पराग कावठेकर भी उपस्थित थे।

NEWS CLIPPING: 31.07.2021

SATYAJAY TIMES

ज्ञान, भाषा, आवाज और उच्चारण में निपुणता टेलीविजन पत्रकार के लिए होना है आवश्यक

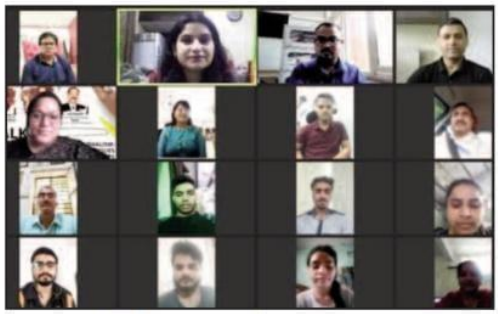

फरीदाबाद, 30 जुलाई, सत्यजय टाईम्स/विजय चौहान। टेलिविजन पत्रकार बनने के लिए विद्यार्थियों का विषय ज्ञान, भाषा, आवाज और उच्चारण में निपुण होना आवश्यक है। उक्त विचार दूरदर्शन न्यूज के वरिष्ठ परामर्श सम्पादक एवं टेलिविजन पत्रकार अशोक वास्तव ने टेलिविजन पत्रकारिता: युवा पत्रकारों के लिए टिप्स एवं तकनीक विषय पर वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में छात्रों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

वेबिनार जे.सी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग और बल्लबगढ़ स्थित अग्रवाल कॉलेज के साथ संयुक्त रूप से मीडिया की बात आपके साथ नामक वेबिनार श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित किया गया था।

विद्यार्थियों से संवाद करते हुए टीवी पत्रकार अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि टेलिविजन मीडिया में अपना भविष्य बनाने वाले छात्रों को पहले टेलिविजन मीडिया की चकाचौंध की ओर आकर्षित होने से पहले परिश्रम के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने अपने कश्मीर, बाबरी मस्जिद और कोरोनाकाल में आनंद विहार बस स्टैंड आदि की रिपोर्टिंग का उदाहरण देते हुए छात्रों को समझाया कि पत्रकार खासतौर पर टेलिविजन पत्रकार का जीवन हमेशा खतरों से भरा रहता है। उन्होंने आगे कहा कि पत्रकार को न्यूज और व्यूज में अंतर करना आना चाहिए और यह तभी सम्भव है जब छात्र अधिक-से-अधिक अखबार और पुस्तक पढ़े। मुख्य वक्ता अशोक श्रीवास्तव ने आगे कहा कि मीडिया के क्षेत्र में अंतर प्रतिस्पर्धा बहुत है। इस अंतर प्रतिस्पर्धा का विजेता ही मीडिया के क्षेत्र में लम्बे समय तक टिक सकता है। उन्होंने युवा पत्रकारों को मीडिया के क्षेत्र में आमंत्रित करते हुए कहा कि वो अच्छे पत्रकार बनने के लिए कड़ी मेहनत और खतरों का सामना की आदत छात्रों को अभी से डाल लेनी चाहिए।

वेबिनार की अध्यक्षता कर रहे जे.सी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि भारत की मजबूत प्रजातंत्र के लिए मीडिया का निष्पक्ष होना बहुत जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि मीडिया को कोरोना महामारी के समय में सकारात्मक खबरों का प्रकाशन अधिक करना चाहिए।

वेबिनार के मुख्य अथिति बल्लबगढ़ स्थित अग्रवाल कॉलेज के प्रिन्सिपल डाक्टर कृष्णकांत गुप्ता ने कहा कि मीडिया जन-जन तक सूचना पहुंचाने का एक अच्छा सूचना माध्यम है। किंतु आज इस माध्यम का प्रयोग कुछ लोग नकारात्मक खबर फैलाने के लिए कर रहे है। इसलिए पत्रकार बनने वाले युवा मीडिया के छात्रों में खबरों के समझने का ज्ञान और ईमानदारी होनी चाहिए। साथ ही युवा पत्रकारों में अफगनिस्तान में तालिबान के हाथो मारे गए विदेशी मीडिया के भारतीय फोटो पत्रकार दानिश सिद्दिकी के तरह निडर निष्पक्ष और ईमानदार होना चाहिए। अंत में मुख्य वक्ता टेलिविजन पत्रकार अशोक श्रीवास्तव ने छात्रों के सवालों के उत्तर भी दिए।वेबिनार में देशभर से 200 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि विभाग द्वारा मीडिया की बात-आपके साथ में विशेषज्ञ वक्ताओं एवं शिक्षाविद को आमंत्रित किया जाता है, जिसमें कई शिक्षाविद जैसे प्रो. के जी सुरेश, पद्मश्री आलोक मेहता, डॉ सच्चिदानंद जोशी छात्रों से संवाद कर चुके है। वेबिनार का आयोजन फैकल्टी ऑफ लिबरल आर्ट एंड मीडिया स्टडीज के डीन प्रो. अतुल मिश्रा की देख-रेख में किया जा रहा है।

NEWS CLIPPING: 31.07.2021

GURGAON MAIL

जर्मन कंपनी बॉश जे.सी. बोस विश्वविद्यालय में स्थापित करेगी प्रशिक्षण केन्द्र

खेमचंद गर्ग/गुड़गांव मेल

फरीदाबाद, 30 जुलाई। ऑटोमेशन प्रौद्योगिकी पर इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने जर्मन कंपनी बॉश लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में उभरती ऑटोमेशन तकनीक पर आधारित एक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित होने वाले प्रशिक्षण केंद्र को लेकर विश्वविद्यालय ने कंपनी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये। यह केंद्र ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विद्यार्थियों और उद्योग से जुड़े लोगों के लिए सर्टिफिकेशन प्रोग्राम आयोजित करेगा। बॉश द्वारा केंद्र में वाहनों की जांच एवं परीक्षण से संबंधित नवीनतम उपकरण उपलब्ध करवाये जायेंगे।

विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. एस.के.गर्ग ने कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में समझौता पर हस्ताक्षर किए। वरिष्ठ महाप्रबंधक (तकनीकी सेवा और सहायता) श्री टी.एस. आनंदकुमार ने बॉश लिमिटेड से समझौता पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजकुमार, निदेशक इंडस्ट्री रिलेशन्स डॉ रश्मि पोपली, डॉ निखिल देव और बॉश के क्षेत्रीय प्रशिक्षक पराग कावठेकर भी उपस्थित थे।

बॉश के साथ सहयोग पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ने हमेशा विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता और योग्यता में सुधार के लिए औद्योगिक सहभागिता को प्रोत्साहित किया है ताकि उद्योग की जरूरत के अनुरूप शिक्षा में सुधार लाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस केन्द्र की स्थापना से विश्वविद्यालय परिसर के अंदर एक औद्योगिक वातावरण विकसित होगा और विद्यार्थियों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण से लाभ होगा। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के अध्यक्ष प्रो. राजकुमार ने कुलपति को केंद्र और इसके उद्देश्यों से अवगत करवाया। उन्होंने ऑटोमेशन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उभरती तकनीकी और औद्योगिक आवश्यकताओं की जानकारी दी और बताया कि केंद्र कैसे विद्यार्थियों को आवश्यक तकनीकी ज्ञान और कौशल हासिल करने में सक्षम बनाएगा।

NEWS CLIPPING: 31.07.2021

THE PIONEER

जर्मन कंपनी बॉश जेसी बोस में स्थापित करेगी प्रशिक्षण केन्द्र

फरीदाबाद। ऑटोमेशन प्रौद्योगिकी पर इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने जर्मन कंपनी बॉश लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में उभरती ऑटोमेशन तकनीक पर आधारित एक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित होने वाले प्रशिक्षण केंद्र को लेकर विश्वविद्यालय ने कंपनी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये। यह केंद्र ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विद्यार्थियों और उद्योग से जुड़े लोगों के लिए सर्टिफिकेशन प्रोग्राम आयोजित करेगा। बॉश द्वारा केंद्र में वाहनों की जांच एवं परीक्षण से संबंधित नवीनतम उपकरण उपलब्ध करवाये जायेंगे। विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में समझौता पर हस्ताक्षर किए। वरिष्ठ महाप्रबंधक (तकनीकी सेवा और सहायता) टीएस आनंदकुमार ने बॉश लिमिटेड से समझौता पर हस्ताक्षर किए। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजकुमार, निदेशक इंडस्ट्री रिलेशन्स डॉ रश्मि पोपली, डॉ निखिल देव और बॉश के क्षेत्रीय प्रशिक्षक पराग कावठेकर भी उपस्थित थे। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के अध्यक्ष प्रो. राजकुमार ने कुलपति को केंद्र और इसके उद्देश्यों से अवगत कराया। उन्होंने ऑटोमेशन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उभरती तकनीकी और औद्योगिक आवश्यकताओं की जानकारी दी और बताया कि केंद्र कैसे विद्यार्थियों को आवश्यक तकनीकी ज्ञान और कौशल हासिल करने में सक्षम बनाएगा।

NEWS CLIPPING: 31.07.2021

HINDUSTAN

ऑटोमेशन प्रौद्योगिकी पर व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी बोस विश्वविद्यालय में अब इंजीनियरिंग छात्रों को ऑटोमेशन प्रौद्योगिकी पर व्यावहारिक प्रशिक्षण मिल सकेगा। इसके लिए जर्मन कंपनी बॉश लिमिटेड ने जेसी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में नवीनतम उभरती ऑटोमेशन तकनीक पर आधारित एक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है।

विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित होने वाले ऐसे प्रशिक्षण केंद्र के लिए कंपनी और विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने और बॉश लिमिटेड कंपनी के वरिष्ठ महाप्रबंधक (तकनीकी सेवा और सहायता) टीएस. आनंदकुमार ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद उम्मीद व्यक्त की गई कि यह केंद्र ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रशिक्षण देने के लिए छात्रों और उद्योग से जुड़े लोगों का सर्टिफिकेशन प्रोग्राम आयोजित होगा। केंद्र में वाहनों की जांच-परीक्षण से संबंधित नवीनतम उपकरण उपलब्ध करवाएं जाएंगे।

योग्यता में सुधार होगा

बॉश कंपनी के साथ सहयोग पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ने हमेशा छात्रों की रोजगार क्षमता और योग्यता में सुधार के लिए औद्योगिक सहभागिता को प्रोत्साहित किया है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के अध्यक्ष प्रो. राजकुमार ने कुलपति को केंद्र और इसके उद्देश्यों से अवगत करवाया। मौके पर मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजकुमार, निदेशक इंडस्ट्री रिलेशन्स डॉ रश्मि पोपली, डॉ निखिल देव और बॉश के क्षेत्रीय प्रशिक्षक पराग कावठेकर आदि रहे।